प्रेम की ओर . . .

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

प्रेम की ओर . . .

इस संसार का "सटीक नियम" क्या है? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ तर्क-बुद्धि का, विश्लेषण करने की अपनी प्रखर और पैनी शक्तियों का उपयोग करो। तुम अपने आपको कहाँ पाते हो? उत्तर प्राप्त करने के लिए अपनी किसी भी बौद्धिक क्षमता को उपयोग में लाओ। तुम क्या देखते हो? हाँ, बिलकुल सही। जो प्रेम सर्व-कल्याणकारी है, उसे एक चारदीवारी में बन्द करने का प्रयत्न बेकार है। जब तुम दीर्घकालिक गहन मौन से बाहर आते हो, जब तुम शून्यता के विशाल सागर की सतह पर आते हो तभी तुम्हें ज्ञात होता है। ऐसे क्षणों में तुम्हारी सत्ता में जो शेष रह जाता है वही है सटीक नियम।

~ गुरुमाई

© २०२४ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।